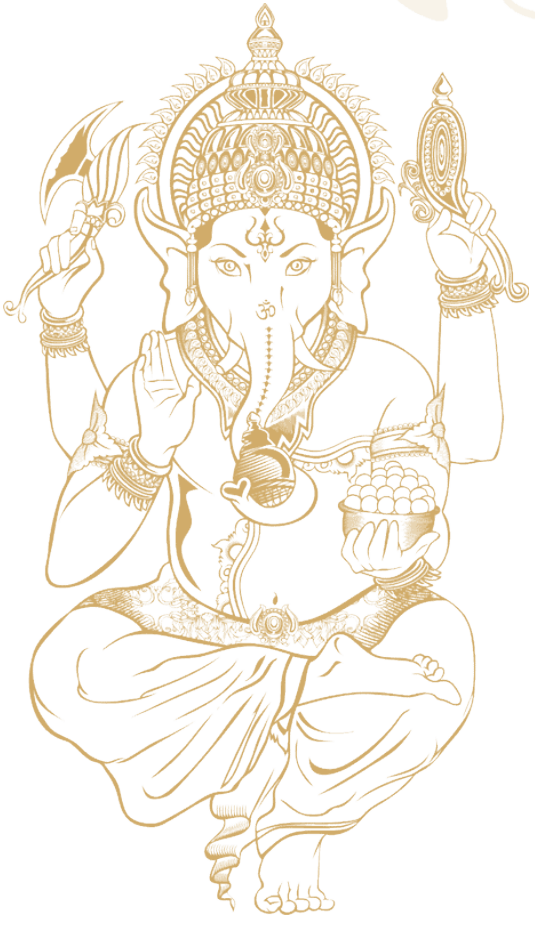

# Mr s bhargava

# Ms.aakansha sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119073202

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 24/03/1995 | जन्म तिथि | 02/05/1997 |
| शुक्रवार | दिन | शुक्रवार |
| घंटे 17:17:50 | जन्म समय | 09:15:50 घंटे |
| घटी 27:51:45 | जन्म समय(घटी) | 09:15:12 घटी |
| India | देश | India |
| Katni | स्थान | Ghaziabad |
| 23:47:00 उत्तर | अक्षांश | 28:40:00 उत्तर |
| 80:29:00 पूर्व | रेखांश | 77:26:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:08:04 | स्थानिक संस्कार | -00:20:16 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:09:07 | सूर्योदय | 05:39:01 |
| 18:20:20 | सूर्यास्त | 18:55:58 |
| 23:47:36 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:49:09 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| शुक्र 12वर्ष 10मा 20दि | 26:05:03 | सिंह | लग्न | मिथु | 13:08:34 | राहु 6वर्ष 7मा 23दि |
| मंगल | 09:34:44 | मीन | सूर्य | मेष | 17:58:00 | शनि |
| 12/02/2024 | 18:04:26 | धनु | चंद्र | कुंभ | 15:04:29 | 25/12/2019 |
| 12/02/2031 | 19:22:20 | कर्क व | मंगल | सिंह | 23:02:06 | 25/12/2038 |
| मंगल 10/07/2024 | 20:53:56 | कुंभ | बुध व | मेष | 07:18:12 | शनि 28/12/2022 |
| राहु 29/07/2025 | 21:29:21 | वृश्चि | गुरु | मक | 25:48:58 | बुध 06/09/2025 |
| गुरु 05/07/2026 | 01:45:19 | कुंभ | शुक्र | मेष | 25:37:54 | केतु 16/10/2026 |
| शनि 13/08/2027 | 23:27:44 | कुंभ | शनि | मीन | 20:22:19 | शुक्र 16/12/2029 |
| बुध 10/08/2028 | 12:16:05 | तुला व | राहु | कन्या | 04:08:20 | सूर्य 28/11/2030 |
| केतु 06/01/2029 | 12:16:05 | मेष व | केतु | मीन | 04:08:20 | चन्द्र 28/06/2032 |
| शुक्र 08/03/2030 | 05:57:40 | मक | हर्ष | मक | 14:48:14 | मंगल 07/08/2033 |
| सूर्य 14/07/2030 | 01:25:58 | मक | नेप व | मक | 06:08:19 | राहु 13/06/2036 |
| चन्द्र 12/02/2031 | 06:41:39 | वृश्चि व | प्लूटो व | वृश्चि | 11:01:40 | गुरु 25/12/2038 |

**लग्न-चलित**

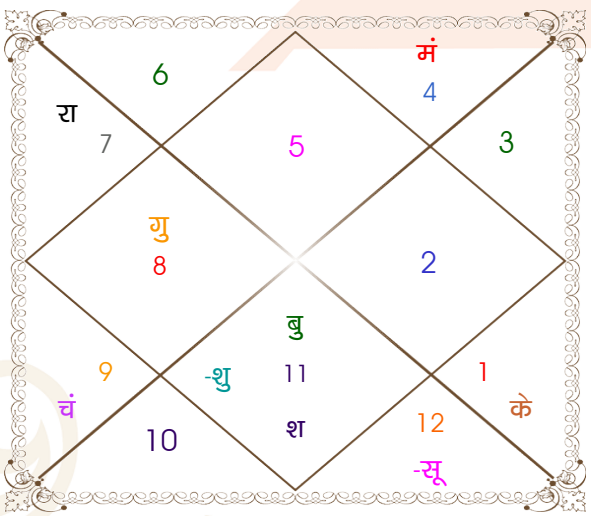


**लग्न-चलित**

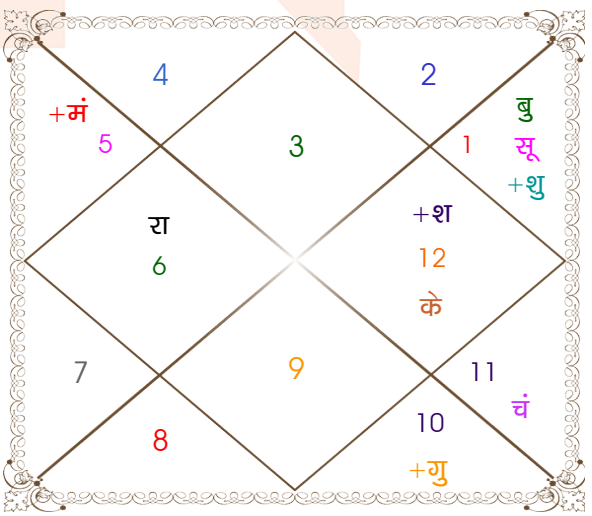

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | मानव | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | साधक | प्रत्यारि | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | वानर | अश्व | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | शनि | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | राक्षस | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | धनु | कुम्भ | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 23.50 | | |

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

डत` ईीतहंअं का वर्ग सर्प है तथा डेंणदीं`ीतउं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डत` ईीतहंअं और डेंणदीं`ीतउं का मिलान औसत है।

### मंगलीक दोष मिलान

डत` ईीतहंअं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डत` ईीतहंअं कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।**

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डत` ईीतहंअं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेंणदीं`ीतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेणंर्दी ीतउं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डत` ईीतहंअं तथा डेणंर्दी ीतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।